RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 104
दि. 12.08.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

नई दिल्ली में पीएम मोदी ने किया नए फ्लैट्स का उद्घाटन, सांसदों को दिया तोहफा

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज नई दिल्ली में बाबा खड़क सिंह मार्ग पर बने 184 नए टाइप-7 बहुमंजिला फ्लैट्स का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम सुबह 10 बजे हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने सिंदूर का पौधा भी लगाया।

यह परिसर सांसदों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। प्रत्येक फ्लैट में 5,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल है, जिसमें कार्यालय और स्टाफ के लिए जगह भी है। यह परियोजना गृह 3-स्टार रेटिंग और राष्ट्रीय भवन संहिता के अनुरूप है। इमारतें भूकंपरोधी हैं और दिव्यांगों के लिए अनुकूलित हैं।

जानकारी के अनुसार इस परिसर को आत्मनिर्भर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है और यह संसद सदस्यों की कार्यात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं की पूरी श्रृंखला से सुसज्जित है। हरित प्रौद्योगिकी को सम्मिलित करते हुए, यह परियोजना जीआरआईएचए 3-स्टार रेटिंग के मानकों का पालन करती है और राष्ट्रीय भवन संहिता (एनबीसी) 2016 का अनुपालन करती है।

इन पर्यावरणीय रूप से स्थायी विशेषताओं से ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन और प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में योगदान मिलने की आशा है। उन्नत निर्माण तकनीक (विशेष रूप से, एल्युमीनियम शटरिंग के साथ मोनोलिथिक कंक्रीट) के उपयोग ने संरचनात्मक स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए परियोजना को समय पर पूरा करना संभव बनाया। यह परिसर दिव्यांगजनों के अनुकूल भी है, जो समावेशी डिजाइन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संसद सदस्यों के लिए अनुकूल आवास की कमी के कारण इस परियोजना का विकास आवश्यक हो गया था। भूमि की सीमित उपलब्धता के कारण, भूमि उपयोग को अनुकूलित करने और रखरखाव लागत को न्यूनतम करने के ध्येय से ऊर्ध्वाधर आवास विकास पर लगातार बल दिया गया है।

प्रत्येक आवासीय इकाई में लगभग 5,000 वर्ग फुट का कार्पेट क्षेत्र है, जो आवासीय और आधिकारिक दोनों कार्यों के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करता है। कार्यालयों, कर्मचारियों के आवास और एक सामुदायिक केंद्र के लिए समर्पित क्षेत्रों को शामिल करने से संसद सदस्यों को जन प्रतिनिधि के रूप में अपनी उत्तरदायित्वों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने विधानमण्डल सत्र के पूर्व मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित किया

प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व व मार्गदर्शन में उ0प्र0, देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर: सीएम योगी

प्रदेश सरकार ने श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं तथा व्यापारियों आदि के उत्थान के लिए बेहतरीन प्रयास किए, अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इन कार्यों की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की

विकसित और आत्मनिर्भर उ0प्र0 के लिए आगामी 13 और 14 अगस्त को लगातार 24 घण्टे तक उ0प्र0 विधान मण्डल में प्रदेश के विजन डॉक्यूमेन्ट पर चर्चा की जाएगी

लखनऊः 11 अगस्त, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व व मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश, देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हुआ है। प्रदेश ने विगत साढ़े आठ वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व, अविस्मरणीय तथा अनुकरणीय प्रगति की है। प्रदेश सरकार ने श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं तथा व्यापारियों आदि के उत्थान के लिए बेहतरीन प्रयास किए हैं। प्रदेश के परसेप्शन में व्यापक बदलाव आया है। अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं ने इन कार्यों की मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की है।

संक्षिप्त समाचार

संसद के दोनों सदनों में वोटों के हेर-फेर और बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शन किया।

इंडिया गठबंधन के सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च भी निकाला। दोनों सदनों में विपक्ष के हंगामे की वजह से कई बार कार्यवाही स्थगित भी करनी पड़ी। हालांकि, भारी शोर-शराबे और गतिरोध के बावजूद लोकसभा में इनकम टैक्स बिल 2025 और खेल से जुड़े दो विधेयक पेश करने का काम पूरा हुआ है।

लोकसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद दो खेल विधेयक पारित कर दिए

सोमवार को लोकसभा ने संक्षिप्त चर्चा के बाद दो खेल विधेयक पारित कर दिए। लोकसभा में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक पेश और पारित किया गया। लोकसभा में इनकम टैक्स संशोधन बिल भी पेश किया गया। हालांकि, विपक्षी सांसदों के भारी विरोध की वजह से सदन की कार्यवाही 4 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। राज्यसभा भी हंगामे की वजह से दिन भर स्थगित होती रही। हालांकि, गोवा में अनुसूचित जाति आरक्षण विधेयक संसद से पास कराया गया।

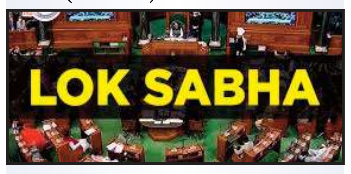

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने वडनगर में निमार्णाधीन कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया

एलएंडटी द्वारा वडनगर में 14 विभिन्न ट्रेड्स के साथ इंस्टीट्यूट का निर्माण किया जा रहा है

स्थानीय युवाओं के लिए निर्माण क्षेत्र में कौशल विकास के जरिए रोजगार के अवसर

गांधीनगर, 11 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को अपने वडनगर दौरे के दौरान एलएंडटी इंडस्ट्रियल - कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के निमार्णाधीन कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

एलएंडटी इंडस्ट्रियल झ कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट औद्योगिक मांग के अनुरूप विभिन्न 14 ट्रेड्स में तकनीकी पाठ्यक्रम की शिक्षा और वोकेशनल प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इस इंस्टीट्यूट का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा आवंटित 37,628 वर्ग मीटर भूमि पर चल रहा है, जिसमें 4 हजार वर्ग मीटर ओपन प्रैक्टिकल यार्ड भी शामिल है।

इस इंस्टीट्यूट में प्रतिवर्ष 3040 प्रशिक्षुओं को दीर्घ एवं अल्पकालिक सिविल ट्रेड्स के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है। एलएंडटी के इस कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में डिजिटल बोर्ड और ई-लर्निंग सहित एडवांस्ड ट्रेनिंग डिलीवरी सिस्टम्स उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री के इस स्थलीय निरीक्षण के दौरान श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रधान सचिव डॉ. विनोद राव, विधायक श्री के.के. पटेल, जिला कलेक्टर श्री एस.के. प्रजापति, एलएंडटी कंस्ट्रक्शन स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के नेशनल हेड श्री जे. रघुरामन, एरिया मैनेजर श्री नेहल शाह और प्रोजेक्ट्स के क्लस्टर हेड श्री भूपेश दत्ता आदि मौजूद रहे।

गांधीनगर में 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता' विषय पर सेमिनार आयोजित

गांधीनगर,

- यह सेमिनार भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा, गुजरात सरकार के उद्योग एवं खनिज विभाग, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा लघु उद्योग भारती के सहयोग ÀfZ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया
- सेमिनार में इंजीनियरिंग, प्रिसिजन फैब्रिकेशन एवं मशीनिंग, डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड सिस्टम, यूएवी (UAVs), एयरोस्पेस एवं एवियोनिक्स कंपोनेंट्स जैसे विषयों पर विशेष चर्चा हुई
- इस आयोजन का उद्देश्य गुजरात-आधारित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) को राष्ट्रीय रक्षा खरीद, नवाचार और निर्यात में भागीदारी एवं अवसर उपलब्ध कराना है

गांधीनगर, 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता' विषय पर आज एक सेमिनार लीला होटल, गांधीनगर में आयोजित हुआ। यह सेमिनार भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा, गुजरात सरकार के उद्योग एवं खनन विभाग, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री और लघु उद्योग भारती के सहयोग से संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

भारत का रक्षा विनिर्माण क्षेत्र तेजी से बदल रहा है और देश 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्यों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस दिशा में निजी कंपनियों के साथ-साथ अब टरटए२ (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) की भूमिका भी बहुत अहम हो गई है।

गुजरात के पास इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग, एडवांस टेक्सटाइल और विशेष सामग्रियों का मजबूत औद्योगिक आधार है, जिससे वह देश के रक्षा निर्माण में बड़ा योगदान दे सकता है। लेकिन कई गुजरात-आधारित MSMEs को अभी भी राष्ट्रीय रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में शामिल होने में कई प्रकार की मुश्किलें आती हैं। इस सेमिनार का उद्देश्य इन चुनौतियों को दूर करना और MSMEs को रक्षा क्षेत्र में अधिक अवसर उपलब्ध कराना था।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुजरात सरकार के उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा, 'भारत तकनीक, नए विचारों और 'मेक इन इंडिया' पहलों के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। MSMEs के लिए यहां अपार संभावनाएं और अवसर मौजूद हैं।'

भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग की संयुक्त सचिव (IAS) श्रीमती मनीषा चंद्रा ने एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता तथा गुजरात की संभावनाओं पर विशेष संबोधन दिया। भारत सरकार के रक्षा उत्पादन विभाग के सचिव (IAS) श्री संजीव कुमार ने भी इस विषय पर अपने विचार साझा किए। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष श्री बलदेवभाई प्रजापति ने भी इस अवसर पर अपना विशेष संबोधन दिया। गुजरात सरकार के उद्योग एवं खनन विभाग की प्रधान सचिव सुश्री ममता वर्मा ने अपने मुख्य भाषण में कहा, 'वर्तमान में इस क्षेत्र में 16,000 MSMEs कार्यरत हैं। गुजरात में इस क्षेत्र की अपार संभावनाएं हैं और पिछले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इस सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के लिए यह जरूरी है कि वे सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएँ और सक्रिय नीतियों का सदुपयोग करें जिससे देश में रक्षा क्षेत्र की क्षमता और अधिक विकसित होगी।'

कार्यक्रम में रक्षा मंत्रालय के उप महानिदेशक श्री लोकेश कुमार शर्मा ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने में MSMEs की भूमिका पर प्रस्तुति दी। स्वदेशी एम्प्रेसा प्राइवेट लिमिटेड, जो रक्षा क्षेत्र का एक स्टार्टअप है, ने 'रक्षा में आत्मनिर्भरता' में स्टार्टअप्स की भूमिका पर प्रस्तुति दी। इसके अलावा, मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) श्री ए.के. चन्नन ने रक्षा खरीद प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए। गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के श्री सौमेंदु रे ने रक्षा स्टार्टअप्स और नवाचार पर प्रस्तुति दी। SIDBI के उप महाप्रबंधक श्री एस. मुरलीधरन, L&T प्रिसिजन इंजीनियरिंग एंड सिस्टम्स के सीनियर डिप्टी जनरल मैनेजर श्री आनंद मिस्त्री तथा HAL के डिप्टी जनरल मैनेजर श्री जावेद अली ने अपने संबोधनों में 'रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता' को भारत के लिए समय की आवश्यकता के रूप में रेखांकित किया। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की टीम ने अपने 100 से अधिक योजनाओं के क्रियान्वयन और एयरोस्पेस, रक्षा, हथियार आदि के विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की।

यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेंस्की ने की पीएम मोदी से फोन पर बात, सितंबर में हो सकती है दोनों नेताओं की मुलाकात

(जीएनएस)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने फोन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत कूटनीतिक दृष्टि से बेहद अहम मानी जा रही है। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन साल से संघर्ष चल रहा है, लेकिन अब तक संघर्ष विराम की कोशिशें नाकाम रही हैं। विदेश मामलों के जानकारों के मुताबिक दोनों शीर्ष नेताओं की यह बातचीत कूटनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण है। जेलेंस्की का भारत दौरा अगले महीने हो सकता है। इस बात की भी उम्मीद है कि सितंबर में पीएम मोदी और यूक्रेन के प्रेसिडेंट की मुलाकात होगी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुद ट्वीट कर पीएम मोदी के साथ बातचीत की जानकारी साझा की है। उन्होंने भारत से मिल रहे समर्थन के लिए पीएम का आभार जताया और रूस के हमलों की जानकारी भी दी। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में यूक्रेन के लोगों के लिए भारतीयों के समर्थन और गर्मजोशी के लिए आभार जताया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि मैंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जापोरिजिया में बस स्टेशन पर हुए रूसी हमले की जानकारी दी है। इस हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि यह हमला रूस की तरफ से सुनियोजित ढंग से किया गया है।

जेलेंस्की ने अपनी पोस्ट में लिखा कि हमले के लिए ऐसे वक्त को चुना गया है जब रूस के पास युद्ध विराम के लिए एक कूटनीतिक अवसर है। बता दें कि यूक्रेन के प्रेसिडेंट ने पहले भी कहा है कि युद्ध विराम नहीं करना रूस की जिद है। पुतिन युद्ध खत्म करने के बजाय जमीन कब्जा करने और लोगों की हत्या करने की इच्छा रखते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात सितंबर में हो सकती है। बता दें कि रूस और भारत की दोस्ती दशकों पुरानी है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बावजूद भारत रूस से तेल खरीद रहा है। ऐसे वक्त में जेलेंस्की का पीएम मोदी से फोन पर बात करना कूटनीतिक संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच हुई यह बातचीत वैश्विक कूटनीति में अहम कदम साबित हो सकता है।

नीरज की तरह फेंकती हैं भाला, कौन हैं अनु रानी जिन्होंने हासिल की 62 मीटर दूरी? मचा तहलका

2021 में भारत ने टोक्यो ओलंपिक के दौरान इतिहास रचने का काम किया था। जैवेलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने धमाल मचाते हुए भारत को ट्रैफ एंड फील्ड में पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। नीरज चोपड़ा ने बाद में पेरिस ओलंपिक के दौरान सिल्वर मेडल दिलाया था। अब महिला वर्ग में भारत को एक और धांसू एथलीट मिली हैं। उनका नाम है अनु रानी और भाला भी हवा को चीरते हुए आगे बढ़ता है। भुवेनश्वर में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर में अनु रानी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए धमाका कर दिया।

उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम करते हुए इतिहास रचा है। मामला यहीं आकर नहीं रुकता है, उन्होंने पोलैंड में भी बुधवार को गोल्ड मेडल जीता था।

उत्तराखंडः 1 लाख 63 हजार से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी, सीएम धामी ने बताया महिलाएं कैसे बन रही आत्मनिर्भर

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में 1 लाख 63 हजार से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बनीं है। महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग हेतु 49 ग्रोथ सेंटरों की स्थापना की गई है। इन उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए 13 जनपदों में 33 नैनो पैकेजिंग यूनिट्स, 17 सरस सेंटर, 3 राज्य स्तरीय विपणन केंद्र तथा 8 बेकरी यूनिट्स का भी संचालन किया जा रहा है।

केंद्र सरकार की वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट योजना के अंतर्गत देहरादून और हरिद्वार रेलवे स्टेशनों पर महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए गए हैं। राज्य सरकार तीन वर्षो में 15 हजार उद्यमियों को इन्क्यूबेशन सहयोग देगी। ये जानकारी सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दी है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 68 हजार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से लगभग 5 लाख महिलाएं संगठित होकर अपना व्यवसाय कर रही हैं। 2023 में शुरू की गई मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के माध्यम से बहनों ने विभिन्न आयोजनों में 27 हजार से अधिक स्टॉल लगाकर 7 करोड़ रुपये से अधिक के उत्पादों की बिक्री की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अन्तर्गत सराहनीय कार्य करने वाले महिला स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया और उनसे संवाद भी किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना का शुभंकर एवं लोगो लॉन्च किया तथा हाउस ऑफ हिमालयाज के नये उत्पाद एवं वेबसाइट का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मातृशक्ति के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। जब एक महिला आर्थिक रूप से सशक्त होती है, तो वह पूरे समाज को सशक्त बनाने का कार्य करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी मातृशक्ति के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र में सभी स्तंभ महत्वपूर्ण, नहीं दिखा सकते नीचा

कांग्रेस ने फैसला लिया है कि वह एक वेबसाइट शुरू करेगी ताकि वोट चोरी के मुद्दे को गरमाया जा सके तो वहीं कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कांग्रोस नेता राहुल गांधी को वोट चोरी के आरोप पर नोटिस भेजा है। शकुन रानी नाम की महिला की ओर से 2 बार मतदान को लेकर दिखाए गए प्रामाण को गलत बताया गया है। उल्लेखनीय है कि 7 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित प्रोस कांप्रोंस में राहुल ने गंभीर आरोप लगाए थे। असल में उन्होंने आरोप लगाया था कि "चुनाव आयोग के आंकड़े बता रहे हैं कि शकुन रानी नाम की महिला ने दो बार मतदान किया। यह ईसी का ही डेटा है। इस आईडी कार्ड पर दो बार वोट डाला गया है। इस पर जो टिक है, वो पोलिग बूथ के अधिकारी का है।" कर्नाटक के मुख्य चुनाव अधिकारी का दावा है कि उनके कार्यालय ने इन आरोपों की जांच की तो पाया कि दिखाए गए टिक मार्व ईसी के कार्यालय के डाक्यूमेंट नहीं है। इसके अलावा शकुन रानी ने भी दावा किया कि राहुल गांधी का आरोप बिल्वुल गलत है उन्होंने तो मात्र एक बार ही मतदान किया।

बहरहाल मुख्य निर्वाचन अधिकारी कर्नाटक सरकार के अधीन ही कार्यरत वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। उनकी नियुक्ति सरकार ने ही किया है, उन्हें न तो वेंद्र सरकार ने नियुक्त किया है और न ही चुनाव आयोग ने। फिर भी यदि उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता पद पर आसीन इतने महत्वपूर्ण व्यक्ति को नोटिस दिया है तो इसका मतलब साफ है कि राहुल के आरोपों को राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी भी गंभीरता से ले रहे हैं और देश के मुख्य चुनाव आयुक्त भी। यही कारण है केंद्रीय चुनाव आयोग ने विपक्ष के नेता से आग्राह किया है कि या तो वह अपने प्रोस कांप्रोंस के माध्यम से लगाए आरोपों पर माफी मांगें अथवा आरोपों को सत्यापित करके चुनाव में हुई गड़बड़ी का विधिवत शिकायत करें ताकि चुनाव आयोग जांच कर सके।

असल में बात यह है कि विपक्ष के नेता को या तो निर्वाचन आयोग पर भरोसा ही नहीं है अथवा वह अपनी असफलताओं की तरफ से ध्यान भटकाने के लिए चुनाव आयोग पर आरोप के धब्बे चिपकाना चाहते हैं।

यह कोई सामान्य बात नहीं है कि विपक्ष के नेता को देश के चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है। इसका मतलब तो यह हुआ कि देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था पर ही सवालिया निशान है। राहुल गांधी ने यदि जिम्मेदारीपूर्वक चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया तो सवाल उन पर भी उठता है कि उन्होंने डेटा का बीरीकी से परीक्षण क्यों नहीं किया? यदि आरोपों में आयोग गलतियां निकालेगा तो भला राहुल गांधी की विश्वसनीयता का क्या होगा? और क्या होगा नेता विपक्ष के पद की गरिमा का? लब्बोलुआब यह है कि यदि संसद का कोई सदस्य विशेष रूप से विपक्ष के नेता आरोप लगाते हैं तो उसे गंभीरता से लेकर उसकी जांच होनी चाहिए किन्तु आरोप लगाने से पहले भी तथ्यों की अच्छी तरह से जांच होनी चाहिए। अन्यथा आरोप लगाने वाले की विश्वसनीयता ही खतरे में पड़ जाती है। हैरानी की बात तो यह है कि जिन आरोपों को लेकर विपक्ष के नेता सरकार पर आव्रमक हैं, उसी विषय पर विपक्ष के नेता को चुनाव आयोग निशाना बना रहा है। लोकतंत्र में सभी स्तंभ महत्वपूर्ण हैं इसलिए चुनाव आयोग पर आरोप लगाते समय जिस तरह संचत भाषा के उपयोग राहुल गांधी से अपेक्षा की जाती है, वैसे ही चुनाव आयोग से भी अपेक्षा की जाती है कि वह विपक्ष के नेता की गरिमा के प्राति भी संवेदनशील दिखेगा।

चुनाव आयोग और विपक्ष के नाते को एक दूसरे की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। यदि दोनों में से एक के भी आरोप का दुराशय साबित होता है तो दोनों की गरिमा प्राभावित होगी। दोनों ही लोकतंत्र के स्तंभ हैं, इसलिए लोकतंत्र ही प्राभावित होगा। इसलिए यही सही होगा कि आरोप लगाने से पहले समुचित तरीके से उनका परीक्षण होना चाहिए। अन्यथा आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत होने पर आत्मघाती ही साबित होता है।

'कांग्रेस सरकार में वोट चोरी हुए', राहुल गांधी की पोल खोलने वाले मंत्री केएन राजन्ना की गई कुर्सी! कितने अमीर?

(जीएनएस)।

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार में सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने 'वोट चोरी' पर सनसनीखेज बयान देकर अपनी कुर्सी गंवा दी। 11 अगस्त 2025 को कांग्रेस आलाकमान के दबाव में राजन्ना ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

उनके बयान ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के दावे को कटघरे में खड़ा कर दिया, जिससे कांग्रेस में हड़कंप मच गया। कर्नाटक विधानसभा में इस मुद्दे पर बीजेपी ने भी सरकार को घेरा। आइए, इस सियासी ड्रामे और राजन्ना की दौलत की कहानी को जानें ...

क्या था 'वोट चोरी' बयान?

केएन राजन्ना ने 8 अगस्त 2025 को बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ियां कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर कांग्रेस ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं की, जिससे वोट चोरी को बढ़ावा मिला। यह बयान राहुल गांधी के उस दावे के ठीक उलट था, जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग पर '1,00,250 वोटों की चोरी' का आरोप लगाया था।

राहुल ने महादेवपुरा विधानसभा में 11,965 डुप्लिकेट वोटर, 40,009 फर्जी पते, और 33,692 फॉर्म 6 के दुरुपयोग जैसे सबूतों को 'एटम बम' बताया था। लेकिन राजन्ना के बयान ने कांग्रेस के इस नैरेटिव को पलट दिया।

कांग्रेस का एक्शन, बीजेपी का तंज

कांग्रेस आलाकमान ने राजन्ना के बयान को पार्टी लाइन के खिलाफ माना और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को उन्हें हटाने का आदेश दिया। 11 अगस्त 2025 को कर्नाटक गवर्नर ने राजन्ना का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, राजन्ना के बेटे और एमएलसी राजेंद्र ने सीएमओ को इस्तीफा सौंपा।

बीजेपी ने इस मौके को भुनाया।

बीजेपी सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा, 'कांग्रेस में सच बोलने की जगह नहीं। राजन्ना ने सच कहा कि वोटर लिस्ट की गड़बड़ी कांग्रेस के समय हुई थी।' कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने तंज कसा, 'राहुल गांधी का बयान झूठा था, राजन्ना ने सच उजागर किया।' बीजेपी नेता आर अशोक ने कहा, 'राहुल गांधी ने राजन्ना को नोटिस भेजकर निलंबित करवाया।'

राजन्ना का सियासी ड्रामाः पुराना है विवादों से नाता

केएन राजन्ना पहले भी विवादों के लिए चर्चा में रहे हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी। राजन्ना ने अधिक उपमुख्यमंत्रियों की नियुक्ति की वकालत करते हुए कहा था, 'सितंबर में बड़ा सियासी तूफान आएगा।' वाल्मीकि समुदाय से आने वाले राजन्ना को हाल ही में हासन जिले के प्रभारी मंत्री पद से हटाया गया था। इससे पहले, वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के बाद बी नागेंद्र के इस्तीफे के बाद वह दूसरे अनुसूचित जाति नेता हैं, जिन्हें कुर्सी गंवानी पड़ी।

कौन हैं केएन राजन्ना?

1972-1984: कांग्रेस यूथ विंग में सक्रिय, स्थानीय राजनीति में नींव रखी।

1998-2004: कर्नाटक विधान परिषद सदस्य।

2004: जेडी(एस) से मधुगिरि में विधायक बने, लेकिन जल्द ही कांग्रेस में लौटे।

2013, 2023: मधुगिरि से कांग्रेस के टिकट पर जीत।

2001-2005, 2015-2020: कर्नाटक स्टेट को-ऑपरेटिव एपेक्स बैंक के अध्यक्ष।

मई 2023-अगस्त 2025: सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में सहकारिता मंत्री।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (अङ्क्ष्) की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, राजन्ना की कुल संपत्ति 35.26 करोड़ रुपये है, जिसमें 12.8 करोड़ रुपये की देनदारियां शामिल हैं। उनकी संपत्ति में 1.2 करोड़ की चल संपत्ति (नकदी, ज्वैलरी, बैंक बैलेंस) और 34 करोड़ की अचल संपत्ति (जमीन, मकान) शामिल हैं। उनका आपराधिक रिकॉर्ड पूरी तरह साफ है।

ङ्ठ फ्रंल्लल्लं एर्ि्रं३ङ्गल्ल: कितने पढ़े-लिखे राजन्ना?

एलएलबी (1984): विद्योदय लॉ कॉलेज, तुमकुर, बैंगलोर यूनिवर्सिटी।

कंगना रनौत ने उड़ाया राहुल गांधी का मजाक! 'वोट चोरी' मार्च को बताया 'ओवरएक्टिंग'

(जीएनएस)।

कंगना रनौत ने एक बार फिर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। 11 अगस्त 2025 को दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के 'वोट चोरी' विरोध मार्च के दौरान राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया।

इस पर बीजेपी सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने राहुल पर तंज कसते हुए कहा कि वह 'सहानुभूति' बटोरने के लिए 'घटिया ओवरएक्टिंग' कर रहे हैं। यह खबर सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रही है। आइए, विस्तार से जानें...

राहुल का मार्च, कंगना का तंज

राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाते हुए दिल्ली में विरोध मार्च निकाला। लेकिन दिल्ली पुलिस ने मार्च को रोकने के लिए बैरकेड्स लगाए और राहुल समेत कई सांसदों को हिरासत में ले लिया। इस पर कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक न्यूज रिपोर्ट शेयर की और राहुल पर निशाना साधते हुए लिखा, 'सहानुभूति हासिल करने के लिए घटिया एक्सप्रेशन के साथ ओवरएक्टिंग!'

कंगना का यह तंज राहुल के 'वोट चोरी' के दावों पर था, जिसमें उन्होंने 7 अगस्त 2025 को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'एटम बम' सबूत पेश किए थे। राहुल ने दावा किया था कि महादेवपुरा विधानसभा में 1,00,250 वोट की चोरी हुई, जिसमें 11,965 डुप्लिकेट वोटर, 40,009 फर्जी पते, 10,452 बल्क वोटर, 4,132 अवैध फोटो वाले वोटर, और 33,692 फॉर्म 6 का दुरुपयोग शामिल है। लेकिन चुनाव आयोग ने इन दावों को 'झूठा' करार दिया और राहुल से 15 अगस्त तक सबूत मांगे हैं।

कंगना का राहुल पर हमलाः पुराना है सिलसिला

यह पहली बार नहीं है, जब कंगना ने राहुल पर निशाना साधा हो। 5 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राहुल के 2022 भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना और चीन सीमा विवाद पर दिए बयानों की आलोचना

की थी। तब कंगना ने राहुल को 'भारत विरोधी मानसिकता' वाला बताया था। अठक को दिए बयान में कंगना ने कहा, 'राहुल हमेशा भारत के खिलाफ बोलते हैं, चाहे वह अर्थव्यवस्था हो या रक्षा बल। वह दुश्मन देशों का समर्थन करते हैं।'

28 अगस्त 2024 को इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में कंगना ने राहुल को 'मैस' (गड़बड़) करार देते हुए कहा, 'वह सिर्फ कुर्सी की दौड़ में हैं। उनके पास कोई स्पष्ट विचारधारा नहीं है।' कंगना ने राहुल की तुलना इंदिरा गांधी से करते हुए कहा कि इंदिरा एक 'पोलराइजिंग' शख्सियत थीं, जबकि राहुल का नेतृत्व 'अस्थिर' है।

मार्च का ड्रामाः दिल्ली पुलिस का एक्शन

11 अगस्त 2025 को इंडिया ब्लॉक का मार्च निर्वाचन भवन की ओर बढ़ा, लेकिन दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इसे रोक दिया। बैरकेड्स और भारी पुलिस बल तैनात किया गया। राहुल गांधी और अन्य सांसदों को कुछ घंटों के लिए हिरासत में लिया गया।

कंगना का सियासी सफर

कंगना रनौत, जो मंडी से बीजेपी सांसद हैं, ने 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को 74,755 वोटों से हराया था। बॉलीवुड में उनकी आखिरी फिल्म 'इमरजेंसी' थी, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट किया। लेकिन सियासत में उनकी बेबाक बयानबाजी हमेशा चर्चा में रहती है। हाल ही में उन्होंने कहा था, 'लोग मेरे पास टूटी सड़कों और नालियों की शिकायत लेकर आते हैं, यह मेरे लिए नया है।'

राहुल का 'श्ङ्गङ्गी उँङ्ग१' दावाः सच या सियासत?

राहुल गांधी ने 'शकुन रानी' नाम की मतदाता के दो बार वोट देने का दावा किया था, लेकिन कर्नाटक उएड ने इसे फर्जी बताया और राहुल से सबूत मांगे हैं। कांग्रेस इस मुद्दे को 'लोकतंत्र बचाओ' अभियान से जोड़ रही है, लेकिन कंगना ने इसे 'सहानुभूति की सियासत' करार दिया।

क्या है सच्चाई?

राहुल के दावों की सच्चाई 15 अगस्त 2025 तक सामने आएगी, जब वह सबूत पेश करेंगे। लेकिन कंगना का यह तंज सियासी जंग को और गर्मा रहा है। क्या यह राहुल की 'ओवरएक्टिंग' है, या कंगना का विवादास्पद बयान? यह तो समय बताएगा। आप क्या सोचते हैं? कंगना का राहुल पर तंज जायज है, या वह सिर्फ सुर्खियां बटोर रही हैं? कमेंट्स में अपनी राय शेयर करें!

हसीन जहां ने बेटी को लेकर शेयर की अहम जानकारी, मोहम्मद शमी के ऊपर लगाया अब तक का सबसे बड़ा आरोप

(जीएनएस)।

मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां अपनी बेटी के साथ रहती हैं। हाल ही में कोलकाता हाई कोर्ट ने गुजारा भत्ता को लेकर हसीन जहां के पक्ष में फैसला सुनाया था। इसके बाद भी शमी के ऊपर नियमित तौर पर हसीन जहां की तरफ से आरोप लगाए जाते रहे हैं।

इस बीच अपनी बेटी को लेकर हसीन जहां ने एक खबर शेयर करते हुए खुशी जताई, इसी में शमी के ऊपर निशाना साधने का काम भी किया गया। हसीन जहां ने इन्स्टाग्राम पर अपनी बेटी की एक तस्वीर शेयर करते हुए अहम जानकारी प्रदान की है।

उनकी बेटी को अब किसी इंटरनेशनल स्कूल में दाखिला मिला है और यह अच्छा स्कूल बताया जा रहा है। इस पर हसीन जहां ने लिखा कि अल्लाह तआला के करम से आज मैं

बेहद खुश हूँ। दुश्मनों ने चाहा था कि मेरी बेटी का किसी अच्छे स्कूल में दाखिला न हो पाए, लेकिन अल्लाह ने उनकी सारी साज़िशों को नाकाम कर दिया। मेरी बेटी का एक बेहतरीन इंटरनेशनल स्कूल में एडमिशन हो गया है।

शमी के ऊपर आरोप जड़ते हुए हसीन जहां ने लिखा कि बेटी के पिता ने भी कई बार कोशिश की कि वह किसी अच्छे स्कूल में न पढ़े। लेकिन पिता, खुदा नहीं होता। जिस बेटी का पिता अरबपति है, वही अपनी ज़िंदगी के निजी कारणों से बेटी की पढ़ाई में रुकावट डाल रहा था, वह दूसरों के बच्चों को पढ़ा रहा था।

आगे उन्होंने लिखा कि जब नीयत साफ हो और कानून साथ हो, तो अल्लाह रास्ता बना ही देता है। शुक्र है कि देश में कानून है, वरना न जाने हमारे साथ क्या होता। उल्लेखनीय है कि शमी से हसीन जहां को एक बड़ी रकम हर माह मिलती है।

बेटी और हसीन जहां दोनों के लिए मोहम्मद शमी को हर महीने 4 लाख रुपये देने का आदेश दिया गया था। कुछ समय पहले ही कोर्ट का यह फैसला आया था, इसके बाद हसीन जहां ने अब अपनी बेटी को महंगे स्कूल में पढ़ाने का फैसला लिया।

श्वेता तिवारी का वो भोजपुरी गाना जिसे देख बेकाबू हो गए थे लोग, सांसद मनोज तिवारी के साथ किया था ऐसा काम

(जीएनएस)।

टीवी जगत से लेकर भोजपुरी फिल्मों तक अपने बेहतरीन डांस और शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने कड़ी मेहनत कर ये मुकाम हासिल किया है।

श्वेता तिवारी की खूब खूबसूरती

44 साल की उम्र में श्वेता तिवारी की खूबसूरती और फिटनेस देखकर कोई अंदाजा नहीं लगा सकता कि वह दो बच्चों की मां हैं और सिंगल मदर के रूप में उनकी परवरिश कर रही हैं।

श्वेता तिवारी और मनोज तिवारी का रिश्ता

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्वेता तिवारी का नाम कई बार सुर्खियों में रहा है और इसमें दो सांसदों का जिक्र भी शामिल है। कहा जाता है कि एक समय पर श्वेता तिवारी और भोजपुरी स्टार व राजनेता मनोज तिवारी के अफेयर की खूब चर्चा हुई थी। दोनों ने कई भोजपुरी फिल्मों में साथ काम किया है और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद भी आई है।

श्वेता तिवारी का सरसों के खेत वाला वायरल गाना

-आपको बता दें कि श्वेता तिवारी और सांसद मनोज तिवारी के अफेयर की चर्चा तब और ज्यादा बढ़ गई थी जब दोनों का एक गाना सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। सरसों के खेत में फिल्माए गए इस रोमांटिक गाने में मनोज तिवारी कभी श्वेता का दुपट्टा खींचते नजर आते हैं, तो कभी उन पर प्यार लुटाते।

-इस गाने का नाम था 'गोरी ओढ़नी तोहार लसरात बा', जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ये गाना फिल्म 'ए भौजी के सिस्टर' का है। इस गाने में श्वेता तिवारी और मनोज तिवारी के बीच दमदार रोमांस देखने को मिला था।

गाने में श्वेता तिवारी और मनोज तिवारी के बीच दिखा रोमांस

-आपको बता दें कि श्वेता तिवारी और मनोज तिवारी का ये रोमांस केवल रील लाइफ तक ही सीमित था। पर्दे पर इनकी जोड़ी ने धमाल मचा दिया था। दोनों ने साथ में कई हिट भोजपुरी फिल्मों में काम किया है, जिनमें से एक 'ए भउजी के सिस्टर' भी है। इस फिल्म का य२ गाना आज भी लोगों की प्लेलिस्ट में मौजूद है।

-गाने में श्वेता तिवारी का एक अलग अंदाज दिखने को मिलता हैं। श्वेता गाने में काफी कम उम्र की लग रही हैं और उनका फिगर भी काफी स्लिम है, जबकि मनोज तिवारी उनके साथ रोमांस करते हुए पूरी तरह किरदार में डूबे दिखते हैं।

-सफेद सूट-सलवार में श्वेता तिवारी के लटके-झटके और मनोज तिवारी के साथ उनकी शानदार कैमिस्ट्री ने दर्शकों को इस गाने का दीवाना बना दिया था। इस गाने को अब तक कई लाख व्यूज और कई लाइक्स मिल चुके हैं।

-गाने को मनोज तिवारी और प्रिया भट्टाचार्या ने अपनी आवाज दी है, जबकि संगीत धनंजय मिश्रा ने तैयार किया था। बेहतरीन गायिकी और म्यूजिक की वजह से ये गाना भोजपुरी दर्शकों के बीच आज भी पॉपुलर है।

शमी से हुई थी इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई की बात, फिर क्यों नहीं किया टीम में शामिल, अब हुआ बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

लगातार इंजरी की वजह से मोहम्मद शमी के करियर में रुकावटें आ रही हैं और रेड बॉल क्रिकेट टीम उनसे दूर होती चली जा रही है। शमी ने दो साल से टेस्ट मुकाबला नहीं खेला है। हाल ही में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर खेलकर वापस आई हैं, शमी टीम में नहीं थे।

मोहम्मद शमी की फिटनेस उनके रास्ते में एक बड़ी बाधा बनकर आ रही है। इंग्लैंड दौरे पर उनको टीम में शामिल किया जाना था लेकिन बाद में ऐसा नहीं हो पाया शमी के साथ बीसीसीआई के चयनकर्ता अजित अगरकर ने बात भी की थी लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ जो शमी को बाहर रखा गया। इसका खुलासा हुआ है।

टेलीग्राफ ने बीसीसीआई के सूत्र के हवाले से लिखा है कि शमी को फॉर्म की वजह से नहीं बाहर किया गया। उनकी इंग्लैंड यात्रा ना कर पाने की एकमात्र वजह फिटनेस से जुड़ी समस्याएं थीं। तेज गेंदबाज को खुद पर भरोसा नहीं था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले

ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर रहने के बाद इंग्लैंड सीरीज के लिए उनकी मौजूदगी काफी जरूरी मानी जा रही थी। चयनकर्ताओं ने टीम फाइनल करने से पहले उनसे बातचीत भी की थी, लेकिन वह ज्यादा आत्मविश्वास में नजर नहीं आए। यह जानना भी जरूरी होता है कि क्या शमी खुद टेस्ट प्रारूप में वापसी करने के इच्छुक हैं।

टेस्ट में शमी पूरी तरह से बाहर नहीं किये गए हैं लेकिन उनका भविष्य फिटनेस और दिलीप ट्रॉफी के ऊपर टिका हुआ है। यह टूनार्मेंट 28 अगस्त से शुरू हो रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि शमी ईस्ट जोन की टीम का हिस्सा होंगे।

इस रिपोर्ट को ही माना जाए, तो शमी फिटनेस को लेकर आईपीएल में भी संघर्ष कर ही रहे थे। उनकी गेंदों में तेजी और लाइन दोनों की कमी देखने को मिल रही थी। वह कुछ देर में मैदान से बाहर चले जाते थे। जल्दी थकान हो रही थी। इसी वजह से वह आईपीएल में सिर्फ 6 विकेट हासिल कर पाए थे और कहीं न कहीं शमी को अपनी फिटनेस के बारे में सब पता था। आईपीएल में पैसों का गेम होता है, इसलिए खिलाड़ी फिटनेस को लेकर उस समय कोई बात नहीं करता। बुमराह के साथ भी यही था।

बुमराह आईपीएल में शुरूआती कुछ मैच नहीं खेले थे लेकिन बाद में पूरा टूनार्मेंट खेल गए। इसके बाद जब टेस्ट क्रिकेट खेलने की बात आई, तो वह इंग्लैंड में तीन टेस्ट ही खेलते हैं।

हार्दिक पांड्या

रेड बॉल क्रिकेट को बहुत पहले छोड़ चुके हैं।

कजरी तीज पर महिलाएं घर पर बनाएं ये 6 खास पकवान, त्योहार में जोड़े मिठास का ये रंग

(जीएनएस)।

कजरी तीज का त्योहार सावन-भादो के महीने में विशेष महत्व रखता है। ये व्रत मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में महिलाएं बड़े उत्साह के साथ मनाती हैं।

12 अगस्त 2025 को है कजरी तीज

इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और दांपत्य सुख की कामना करती हैं, जबकि कुंवारी लड़कियां अच्छे वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं। कजरी तीज भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस बार कजरी तीज का पर्व आगामी 12 अगस्त 2025 (मंगलवार) को मनाया जाएगा।

कजरी तीज स्वादिष्ट व्यंजनों के बिना अधूरा

कजरी तीज उपवास, पूजा और पारंपरिक गीत-संगीत के साथ-साथ स्वादिष्ट व्यंजनों के बिना अधूरा है। व्रत खोलने या परिवार के साथ मिलकर खाने के लिए घर पर खास पकवान तैयार किए जाते हैं, जो इस त्योहार की रौनक को और बढ़ा देते हैं।

परिवार और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर

कजरी तीज केवल व्रत और पूजा का दिन नहीं है, बल्कि यह परिवार और रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर भी है। जब घर में तरह-तरह के व्यंजनों की खुशबू फैलती है और सभी साथ बैठकर उन्हें खाते हैं, तो त्योहार का आनंद दोगुना हो जाता है।

आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसे खास पकवान के बारे में जिन्हें आप कजरी तीज के अवसर पर घर पर आसानी से बना सकते हैं-

कजरी तीज पर बनाएं 6 खास पकवान

1. घेवर

कजरी तीज पर घेवर का नाम सबसे पहले आता है। ये राजस्थान की पारंपरिक मिठाई है, लेकिन अब पूरे उत्तर भारत में तीज के त्योहार का मुख्य हिस्सा बन चुकी है। मैदा, घी और चीनी की चाशनी से तैयार ये मीठा पकवान देखने में जितना आकर्षक लगता है, स्वाद में उतना ही लाजवाब होता है। ऊपर से मलाई या रबड़ी डालकर सजाया गया घेवर त्योहार की मिठास को दोगुना कर देता है।

बनाने का तरीका-

मैदा और घी को अच्छी तरह फेंटकर पतला घोल तैयार करें, फिर गरम घी में धीरे-धीरे डालते हुए घेवर का आकार दें। बाद में इसे चीनी की चाशनी में डुबोकर रबड़ी और मेवों से सजाएं।

2. कचौरी और आलू की सब्जी

व्रत खोलने के बाद नमकीन खाने का भी अपना मजा है। मूंग दाल या उरद दाल से बनी कुरकुरी कचौरियां और साथ में मसालेदार आलू की सब्जी का स्वाद हर किसी को भा जाता है। ये संयोजन उत्तर भारतीय घरों में तीज के दिन जरूर बनता है।

बनाने का तरीका-

दाल को पीसकर उसमें मसाले मिलाएं, इसे गेहूं या मैदे की लोई में भरकर सुनहरा होने तक तलें। साथ में टमाटर और मसालों से तैयार की गई आलू की सब्जी परोसें।

3. खीर

खीर किसी भी शुभ अवसर पर बनाई जाती है और तीज भी इसका अपवाद नहीं है। दूध, चावल और चीनी से बनी ये मिठाई ठंडी हो या गरम, हर रूप में पसंद की जाती है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

भावनगर मंडल कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन

भावनगर मंडल द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के नेतृत्व में मंडल कार्यालय पर 11 अगस्त, 2025 (सोमवार) को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें मंडल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के प्रस्थान संकेत से इस तिरंगा यात्रा की शुरूआत की गई।

स्वतंत्रता दिवस के आगमन के अवसर पर मंडल कार्यालय, रेलवे संग्रहालय एवं भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन को तिरंगे की रोशनी से सजाया गया है। 12 अगस्त, 2025 (मंगलवार) को सुबह 7.00 बजे 'तिरंगा बाईक रैली' का आयोजन किया जाएगा, यह रैली मंडल कार्यालय से निकलकर नीलमबाग सर्कल से होकर ज्वेल सर्कल एवं आरटीओ सर्कल से वापस पुनः मंडल कार्यालय पर संपन्न होगी।

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल ने आजादी का जश्न मनाने एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। 15 अगस्त, 2025 (शुक्रवार) को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा भावनगर मंडल कार्यालय में राष्ट्रीय झंडा फहराया जाएगा। भावनगर डिवीजन के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार भावनगर मंडल पर 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आमजन एवं रेल कर्मियों के मन में देशभक्ति की भावना जगाना है और जन-भागीदारी की भावना के साथ आजादी का 78वाँ वर्षगांठ मनाया जाएगा। हर घर तिरंगा अभियान में रेल कर्मियों, उनके परिजनों एवं आमजनों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। स्टेशनों पर उद्घोषणा के माध्यम से लोगों को इस बारे में अवगत कराया जा रहा है।

21 अगस्त की भावनगर-ओखा एक्सप्रेस ट्रेन (19209) रद्द

पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में स्थित लाखाबावल-पीपली-कानालुस सेक्शन में डबल ट्रैक कार्य के चलते 20 अगस्त से लेकर 23 अगस्त, 2025 तक कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार भावनगर मंडल की प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

रद्द ट्रेनें :

1. ट्रेन नंबर 19209 भावनगर-ओखा एक्सप्रेस 21.08.2025 को रदद् रहेगी।
2. ट्रेन नंबर 19210 ओखा-भावनगर एक्सप्रेस 22.08.2025 को रद्द रहेगी।

रिशेड्यूल की गयी ट्रेनः

1. ट्रेन नंबर 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस 22.08.2025 को पोरबंदर से अपने निर्धारित समय 19.40 बजे की जगह 1 घंटा और 10 मिनट लेट यानि 20.50 बजे प्रस्थान करेगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि वे उपरोक्त फेरबदल को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारंभ करें और ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनत्तम अपडेट्स की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन करें ताकि किसी प्रकार की असुविधा ना हो।

संभल हिंसा में मोर्चा संभालने वाले सीओ रहे अनुज चौधरी एसीपी बनते ही प्रेमानंद जी से मिले, सवाल पर मिला चौंकाने वाला जवाब

(जीएनएस)।: संभल हिंसा में मोर्चा संभाल कर पुलिस महकमें की नाक ऊंची करने वाले पुलिस अधिकारी अनुज चौधरी को हाल ही में ACP पद पर प्रमोशन मिला है। संभल के सीओ रहे अनुज चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रमोशन मिलते ही वृंदावन में प्रेमानंद जी महाराज से आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे।

इस मौके पर अनुज चौधरी ने प्रेमानंद महाराज से पुलिस कार्रवाई से जुड़ा कुछ ऐसे सवाल पूछे, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन सवालों और उनके जवाबों ने हर किसी को चौंका दिया है।

गौरतलब है कि वृंदावन के प्रेमानंद जी महाराज के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिनमें बॉलीवुड हस्तियां, क्रिकेट खिलाड़ी, उच्च अधिकारी और मंत्री भी शामिल होते हैं। अनुज चौधरी का वृंदावन दौरा भी इसी कड़ी का हिस्सा था।

अनुज चौधरी ने प्रेमानंद महाराज से क्या किया सवाल?

पुलिस अधिकारी अनुज चौधरी ने प्रेमानंद जी महाराज से हत्या के ऐसे मामलों के बारे में पूछा, जहां साक्ष्य उपलब्ध न हों और आरोपी स्वयं को निर्दोष बताता हो। उन्होंने जानना चाहा कि ऐसी स्थिति में पुलिस को क्या कदम उठाने चाहिए ताकि लापरवाही या अन्याय का आरोप न लगे।

प्रेमानंद महाराज ने दिया चौंकाने वाला जवाब

इस प्रश्न के जवाब में, प्रेमानंद जी महाराज ने कहा, "पुलिस को केवल उपलब्ध साक्ष्यों और रिपोर्ट के आधार पर ही कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे के अंतर्मन की गहराइयों तक नहीं देख सकता, इसलिए साक्ष्य ही कार्यवाही का आधार होने चाहिए।"

प्रेमानंद महाराज ने बताया निर्दोष व्यक्ति कैसे केस में फंस जाता है?

महाराज ने यह भी कहा कि यदि किसी निर्दोष व्यक्ति के खिलाफ मामला बनता है, तो यह उस व्यक्ति के पुराने कर्मों का फल हो सकता है। उनके अनुसार, साक्ष्यों के बिना कार्यवाही करना उचित नहीं है, क्योंकि हो सकता है कि व्यक्ति ने वर्तमान अपराध न किया हो, लेकिन यह उसके किसी छिपे हुए पाप का परिणाम हो सकता है।

कौन हैं अनुज चौधरी?

अनुज चौधरी मुजफ्फरनगर के बहेड़ी गांव के मूल निवासी हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व पहलवान हैं। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। अनुज चौधरी 1997 से 2014 तक लगातार राष्ट्रीय चैंपियन रहे हैं। उन्होंने नेशनल गेम्स में दो रजत पदक और एशियाई चैंपियनशिप में भी पदक हासिल किए हैं।

अनुज चौधरी ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और उन्हें 'शेर-ए-हिंद', 'भारत कुमार', ह्यूत्तर प्रदेश केसरी' और 'वीर अभिमन्यु' जैसे प्रतिष्ठित खिताबों से नवाजा गया है।

खेल कोटे से आई सेवाओं में ASP (अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक) के रूप में पदोन्नति मिली है। अनुज चौधरी इस कोटे से इस पद पर पहुंचने वाले यूपी के पहले पुलिस अधिकारी हैं।

संभल हिंसा के दौरान क्यों सुर्खियां बने थे अनुज चौधरी?

नवंबर 2024 में, शाही जामा मस्जिद में एक अदालत के आदेश पर सर्वे के दौरान हिंसा भड़क उठी और 4-5 लोग मारे गए। इस हिंसा के बाद इंटरनेट, स्कूल कॉलेज और बाहरी लोगों का संभल में प्रवेश बंद कर दिया गया था। हिंसा से पहले का अनुज चौधरी का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह उत्तेजित भीड़ को शांत करते दिखे थे और कोर्ट के आदेश को लोगों को समझा रहे थे और सलाह दी थी कि उत्तेजना से लाभ नहीं होगा।

इसके साथ ही पुलिस पर हिंसा को लेकर लग रहे आरोपों पर अनुज चौधरी ने कहा था पुलिस को आत्मरक्षा का अधिकार है और "हम पुलिस में मरने के लिए भर्ती नहीं हुए। ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था और लोगों ने अनुज चौधरी की बात

बिग बॉस फेम सपना चौधरी ने खोला जिंदगी का काला सच, बताया किसकी वजह से खा लिया था जहर?

बिग बॉस कंटेस्टेंट रह चुकीं और हरियाणवी डांसर सपना चौधरी इन दिनों अपनी फिल्म 'मैडम सपना' के प्रमोशन में बिजी हैं। उन्होंने इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान अपनी जिंदगी के मुश्किल हालात के बारे में भी बात की है।सपना ने साल 2016 में सुसाइड करने की कोशिश की थी।

आत्महत्या से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी लिखा था। हालांकि, बाद में उन्होंने इस घटना से सबक लिया और इंडस्ट्री में अच्छा कमबैक किया। सपना ने बताया कि अब वह मानसिक तौर पर बहुत मजबूत हैं और उन पर दुनिया की बातों का असर नहीं होता है। अब खुद उनकी लाइफ पर फिल्म बन रही हैं और वह एक फिल्म प्रोडक्शन कंपनी चलाती हैं।

'सोशल मीडिया का प्रेशर नहीं झेल पाई'

सपना ने कंटेंट क्रिएटर फरीदून शहरयार के पॉडकास्ट में अपनी जिंदगी के स्ट्रगल पर बात की है। उन्होंने आत्महत्या की कोशिश के बारे में बताया कि साल 2016 या 17 की बात होगी। उस वक्त मैं बहुत कम उम्र की थी और मुझे राजनीति-समाज इसके बारे में कुछ पता नहीं था। मैंने स्टेज पर एक रागिनी गाई थी जिसकी वजह से मुझे ट्रोल किया जाने लगा। मुझ पर जातिवाद के आरोप लगे। मैं ये सब प्रेशर नहीं झेल पाई।

रंस्रल्लं उँङ्मर्४ी१८ ने बताया कैसे निकलीं डिप्रेशन से

सपना ने शो में बताया कि उन दिनों मेरी दुनिया सिर्फ घर से स्टेज तक ही सीमित थी और मैं ज्यादा कुछ नहीं जानती थी। अचानक से मुझ पर चौतरफा हमले होने लगे और मैं डर गई। उन्होंने कहा, 'मैं कम उम्र की थी। मुझे इतना पता नहीं था कि कुछ लोग आपके बारे में बातें करते हैं। इसके पीछे उनका उद्देश्य आपको गिराना होता है, नुकसान पहुंचाना होता है।' सपना ने बताया कि उन मुश्किल दिनों में उनका परिवार उनके लिए ढाल बना।

यह भी पढ़ेंः 'कपिल शर्मा शो' के कॉमेडियन की होगी सलमान खान के शो में एंट्री, 'बिग बॉस 19' के मेकर्स ने ऑफर किया तगड़ा पैसा

सपना चौधरी सलमान खान के शो बिग बॉस में भी नजर आई थीं। उन्होंने इस शो में बताया था कि उन्हें बहुत कम उम्र से काम करना पड़ा, क्योंकि उनके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी थी।

सपना ने इस शो में यह भी बताया था कि वह डांसर नहीं बल्कि पुलिस की नौकरी करना चाहती थीं। फिलहाल वह स्टेज शो, फिल्मों और अपनी लाइफ पर बन रही फिल्म मैडम सपना में बिजी हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए किसने रखी 7 शर्तें, पुतिन-ट्रंप की मुलाकात अलास्का में ही क्यों?

(जीएनएस)।

रूस-यूक्रेन युद्ध फिर चर्चा में है। क्या बीते लगभग साढ़े 3 साल से जारी युद्ध अब खत्म होने वाला है? क्या संकेत मिल रहे हैं कि यूक्रेन पीछे हट गया? राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हार मान ली या फिर रूस अमेरिका के साथ मिलकर रणनीतिक जीत के लिए कोई नई चाल चल रहा है? इन

सब सवालों के जवाब 15 अगस्त 2025 को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ होने वाली महत्वपूर्ण बैठक के बाद मिल सकते हैं।

अब पूरी दुनिया की नजरें 15 अगस्त 2025 को अलास्का में होने वाली ट्रंप-पुतिन की बैठक पर टिकी है, क्योंकि इस बैठक से रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रभावित परिवारों को वितरित किए रू. 5-5 लाख सहायता राशि के चेक

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश के तहत, धारली में आपदा से प्रभावित 98 परिवारों को 5,00,000 रुपये की वित्तीय सहायता वितरित की जा रही है। पीड़ितों की सहायता के लिए राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार धराली गांव के आपदा प्रभावित परिवारों को पॉंच-पॉंच लाख रुपए की दर से सहायता राशि का वितरण शुरू कर दिया गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य तथा क्षेत्रीय विधायक सुरेश चौहान ने सोमवार को धराली गांव में जाकर आपदा प्रभावितों को सहायता राशि के चैक वितरित किए। धराली में आपदा प्रभावित 98 प्रभावितों के लिए सहायता राशि के चैक मौके पर वितरण के लिए भेजे गए थे। चैक वितरण की कार्रवाई अभी भी चल रही है।

प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों आज प्रभावित लोगों के साथ जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट ने भोजन किया और कहा कि शासन-प्रशासन दुख की इस घड़ी में पीड़ितों के साथ है। आपदा पीड़ितों की सहायता के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। प्रभावित क्षेत्र में आम जीवन को पटरी पर लाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे है। राहत शिविरों में प्रभावितों के रहने-खाने तथा चिकित्सा सहायता की समुचित व्यवस्था की गई है।

भोपाल में 'थूक जिहाद' का वायरल वीडियो, सावन के महीने में फलों पर थूकने की घटना, हिंदू संगठनों में आक्रोश

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के मिसरोद इलाके में एक सनसनीखेज वीडियो ने हंगामा मचा दिया है। इस वीडियो में एक व्यक्ति को पानी की बोतल में कुल्ला करने के बाद उसी पानी को फलों पर छिड़कते हुए देखा गया है।

इस घटना को 'थूक जिहाद' करार देते हुए हिंदू संगठनों ने कड़ा रुख अपनाया है और मिसरोद पुलिस थाने में कार्रवाई की मांग के साथ ज्ञापन सौंपने की घोषणा की है। यह घटना सावन के पवित्र महीने में सामने आई है, जिसने स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है।

वायरल वीडियो में एक व्यक्ति को मिसरोद इलाके में फल की दुकान पर बैठे हुए देखा जा सकता है। वह बाएं हाथ में माला लिए हुए है और दाएं हाथ से एक बोतल में मुंह लगाकर कुल्ला करता है, जिसे बाद में वह दुकानदार को सौंप देता है। दुकानदार उस बोतल से फलों पर पानी छिड़कता नजर आता है। यह वीडियो करीब 30 सेकेंड का है और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हिंदू संगठनों ने इस घटना को 'थूक जिहाद' का हिस्सा बताते हुए इसे समाज में जहर घोलने की साजिश करार दिया है।

हिंदू संगठनों का आक्रोश

वीडियो के सामने आने के बाद, सैकड़ों की संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मिसरोद थाने और फल की दुकान पर पहुंचे। उन्होंने 'थूक जिहाद नहीं चलेगा' और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए जमकर हंगामा किया। संगठनों ने सावन के पवित्र महीने में इस तरह की घटनाओं को अक्षम्य बताया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। हिंदू संगठनों का कहना है कि 'लव जिहाद', 'ड्रग्स जिहाद', 'लैंड जिहाद', और अब 'थूक जिहाद' जैसे कृत्य समाज की शांति और सौहार्द को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा हैं।

पुलिस की प्रतिक्रिया

मिसरोद पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। मिसरोद थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने बताया कि हिंदू संगठनों की तरफ से शिकायत दर्ज कराई गई है।। पुलिस ने पुष्टि की है कि वीडियो की लोकेशन मिसरोद इलाके की ही है, लेकिन यह कब शूट हुआ, इसकी जानकारी अभी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी सामने आए हैं ऐसे मामले

यह पहली बार नहीं है जब भोपाल या मध्य प्रदेश में इस तरह की घटनाएं सामने आई हों। अप्रैल 2020 में भी एक फल विक्रेता द्वारा फलों पर थूकने का वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। इसके अलावा, गाजियाबाद और उत्तर प्रदेश के कुछ अन्य हिस्सों में भी सावन के महीने में 'थूक जिहाद' से जुड़े मामले सामने आए हैं, जिनमें जूस और खाद्य पदार्थों में थूकने की शिकायतें दर्ज की गई थीं। हिंदू संगठनों ने इन घटनाओं को धार्मिक भावनाओं को आहत करने और खाद्य स्वच्छता के साथ खिलवाड़ करने का मामला बताया है।

कपिल शर्मा के कनाडा के सरे शहर में खोले गए 'कैप्स कैफे' पर दो बार फायरिंग, अब मुंबई पुलिस ने उठाया ये बड़ा कदम

(जीएनएस)।

कपिल शर्मा, जो अपनी कॉमेडी और होस्टिंग के लिए पूरे देश में बहुत प्रसिद्ध हैं, अब एक नए मामले की वजह से चर्चा में हैं। उनके हाल ही में कनाडा के सरे शहर में खोले गए 'कैप्स कैफे' पर दो बार फायरिंग की घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं ने कपिल शर्मा के फैंस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

इन लगातार हमलों के बाद कपिल शर्मा (डंस्र' रँ१ॅ) की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसलिए मुंबई पुलिस ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है। बता दें कि 7 अगस्त 2025 की सुबह करीब 4:40 बजे न्यूटन इलाके के 120 स्ट्रीट के 8400 ब्लॉक के बाहर फिर फायरिंग हुई।

पुलिस ने इस जगह का नाम तो नहीं बताया, लेकिन कनाडाई मीडिया ने बताया कि यह वही कैफे है जहां पहले 2 जुलाई को भी फायरिंग हुई थी। इस पूरे मामले ने कपिल शर्मा के साथ-साथ आम लोगों के बीच भी सुरक्षा की जरूरत पर चर्चा तेज कर दी है।

कनाडा के सरे पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इन फायरिंग का किसी बड़े आपराधिक गिरोह से संबंध है या ये केवल लक्षित हमले हैं। कपिल शर्मा ने भी स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में रहने और जांच में पूरा सहयोग देने की जानकारी दी है।

कपिल शर्मा की सुरक्षा को लेकर मुंबई पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान किया है ताकि वह बिना किसी डर के अपने कार्यक्रम और व्यवसायिक गतिविधियां जारी रख सकें।

पहली फायरिंग के बाद कैफे की एक खिड़की में कम से कम 10 गोली के छेद देखे गए थे, जबकि दूसरी खिड़की भी टूट गई थी। कैफे के नीचे रिटेल यूनिट्स हैं और ऊपर आवासीय फ्लैट्स। हालांकि, इस बात की जानकारी नहीं है कि वहां कितने लोग रहते हैं।

दोनों घटनाओं के बाद इलाके में तनाव का माहौल है और स्थानीय लोग भी इस बारे में चिंतित हैं। पुलिस ने गढ़े गए झूठे ऑनलाइन आरोपों की भी जांच शुरू कर दी है, जिनमें गैंगस्टर माफियाओं के शामिल होने के दावे किए गए हैं।

कपिल शर्मा, जो कि लोकप्रिय टीवी शो 'द कपिल शर्मा शो' के लिए जाने जाते हैं, ने इस साल की शुरूआत में इस कैफे को खोला था।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एक्ट्रेस रवीना टंडन ने दिया बड़ा बयान, जानें किसे ठहराया जिम्मेदार?

(जीएनएस)।

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने के सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले ने सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है। कुत्तों के प्रति अपने प्यार के लिए मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी है।

उन्होंने इस समस्या का ठीकरा स्थानीय निकायों पर फोड़ा और नसबंदी व टीकाकरण की कमी को इसका बड़ा कारण बताया। यह खबर पर वायरल हो रही है। आइए, विस्तार से जानें रवीना ने आगे और क्या कहा?

रवीना का तीखा बयानः 'कुत्ते नहीं, निकाय जिम्मेदार'

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रवीना ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अपनी राय जाहिर की। उन्होंने कहा, 'जहां आवारा कुत्तों की आबादी बढ़ी है, वहां इन बेचारे कुत्तों को दोष देना गलत है। इसका असली कारण स्थानीय निकायों की नाकामी है, जो नसबंदी और टीकाकरण अभियान को ठीक से नहीं चला रहे।'

रवीना ने आगे कहा, 'अगर नसबंदी अभियान सफल होता और इसके लिए पैसा व बुनियादी ढांचा सही तरीके से लगाया जाता, तो हम इस स्थिति तक नहीं पहुंचते। स्थानीय निकाय अपने क्षेत्र के आवारा कुत्तों के लिए जिम्मेदार हैं। नसबंदी आज की सबसे बड़ी जरूरत है।'

सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

11 अगस्त 2025 को जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की समस्या को 'बेहद गंभीर' बताते हुए सख्त आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि 8 हफ्तों के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर आश्रय स्थलों में रखा जाए। कोर्ट ने साफ किया कि कोई भी कुत्ता सड़कों, कॉलोनियों या सार्वजनिक स्थानों पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा।

कोर्ट ने दिल्ली सरकार, टउऊ और ठउ्टउ को 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने और नसबंदी व टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मचारी तैनात करने का निर्देश दिया। साथ ही, एक हेल्पलाइन शुरू करने को कहा, जहां कुत्तों के काटने की शिकायत दर्ज हो, और 4 घंटे के भीतर कुत्ते को हटाया जाए। कोर्ट ने चेतावनी दी कि बाधा डालने वालों पर अवमानना की कार्रवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 2025 को टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लिया, जिसमें रेबीज और कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं का जिक्र था। 2025 में दिल्ली में 35,000 से ज्यादा कुत्तों के काटने के मामले और 54 रेबीज से मौतें दर्ज हुईं। 6 साल की बच्ची चावी शर्मा की रेबीज से मौत ने कोर्ट को झकझोरा। कोर्ट ने कहा, 'बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी कीमत पर रेबीज का शिकार नहीं बनने दे सकते।'

कहां हैं हमारे उपराष्ट्रपति? संजय राउत ने धनखड़ के इस्तीफे के बाद से रहस्यमयी अनुपस्थिति पर गृहमंत्री को लिखा पत्र

(जीएनएस)।

भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद से उनके बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं अब शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप

धनखड़ के स्वास्थ्य और उनके मौजूदा ठिकाने को लेकर तत्काल स्पष्टीकरण मांगा है।

संजय राउत ने 10 अगस्त को लिखे अपने पत्र में सवाल उठाया कि उनके इस्तीफे के बाद से जगदीप धनखड़ के बारे में "कोई जानकारी क्यों नहीं" है। सांसद ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी इस मुद्दे को उठाया है। उन्होंने इस अप्रत्याशित घटनाक्रम को "चौंकाने वाला" बताया है, जिससे राजनीतिक हलकों में खलबली मच गई है।

आइए, हम सब मिलकर इस स्वतंत्रता दिवस को सचमुच एक जन अभियान बना दें...: #यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ जी

'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता'... अर्थात, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग...यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति हमारा प्रण है। तिरंगा हमारी आन, बान, शान है और स्वच्छता हमारे संस्कार, हमारी सभ्यता और हमारे भविष्य की पहचान है।

गांव हो या शहर, पंचायत हो या नगर निकाय आजादी का यह पर्व हम सबको एक सूत्र में पिरोता है। हम सबकी जिम्मेदारी एक है। राष्ट्रभक्ति के साथ स्वच्छ, सुंदर और सशक्त उत्तर प्रदेश का निर्माण...मुझे विश्वास है कि हम अपने-अपने पंचायत सचिवालय, नगर निकाय कार्यालय, घरों, सार्वजनिक भवनों और संस्थानों में तिरंगा लहराएंगे और आसपास की स्वच्छता को अपना व्यक्तिगत दायित्व मानते हुए सुनिश्चित करेंगे।

इस बार के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमारे लिए गौरव का क्षण है कि इस 15 अगस्त को उत्तर प्रदेश के 33 से अधिक ग्राम प्रधान उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिल्ली में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशिष्ट रूप से सम्मानित किए जाएंगे। यह ग्राम प्रधान न केवल अपने गांव बल्कि पूरे प्रदेश का नाम आगे करने में योगदान दे रहे हैं। मैं उन सभी ग्राम प्रधानों और उन ग्रामवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।

आइए, हम सब मिलकर इस स्वतंत्रता दिवस को सचमुच एक जन अभियान बना दें...: #वढउट योगी आदित्यनाथ जी

समान शिक्षा, समान अधिकार की गूंज के साथ बुंदेलखंड राज्य की मांग तेज

-एक राखी बुंदेलखंड के नाम' महाअभियान के 33वें दिन

(जीएनएस)।

फतेहपुर। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के 'एक राखी बुंदेलखंड के नाम' महाअभियान के 33वें दिन सोमवार को खागा नगर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय 'बुंदेलखंडी' ने कहा, 'हमारे वोट से उनके बच्चे हवाई जहाज से विदेश में पढ़ते हैं, लेकिन हमारे बच्चे हवाई चप्पल को तरसते हैं। शिक्षा में यह असमानता स्वीकार्य नहीं है। हमें चाहिए — समान शिक्षा, समान अधिकार।' उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री को भेजी जा रही राखियों के साथ बुंदेलखंड की यह आवाज भी जाएगी कि 'राखी का असली उपहार — पृथक बुंदेलखंड राज्य' ही होगा। कार्यक्रम का संयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि स्नातक छात्र अभिनव त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और समान अवसर की लड़ाई है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता छात्र उत्कर्ष त्रिवेदी ने कहा, 'जब तक हर बच्चे को समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक विकास का सपना अधूरा रहेगा। हमारी राखियाँ सिर्फ प्रतीक नहीं, बल्कि संघर्ष का संदेश हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संध्या शुक्ला, रंजना, उमा त्रिपाठी, अभिनव त्रिपाठी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने राखी बांधकर और पोस्टकार्ड लिखकर प्रधानमंत्री से बुंदेलखंड राज्य की मांग दोहराई। गौरतलब है कि बुंदेलखंड राष्ट्र समिति का यह महाअभियान पूरे बुंदेलखंड में एक साथ चल रहा है और अब तक लाखों राखियाँ प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी जा चुकी हैं।

न लव और न अरेंज्ड, कलर्स लेकर आ रहा है आज के समय का रास्ता 'मनपसंद की शादी'

लखनऊ, 11 अगस्त 2025 : 'वाह वाह रामजी, जोड़ी क्या बनाई!' आज की दुनिया में एक जोड़े को यह सुनने के लिए क्या करना पड़ता है? क्या आप माता-पिता की अपेक्षाओं के तय रास्ते पर चलेंगे या दिल की आवाज सुनेंगे? सदियों से शादी दो चरम स्थितियों में बंटी रही है—एक ओर माता-पिता द्वारा तय की गई अरेंज्ड मैरिज, और दूसरी ओर आकर्षण से उपजा लव मैरिज। इस पुराने द्वंद्व को तोड़ते हुए कलर्स और राजश्री प्रोडक्शंस (प्रा.) लिमिटेड एक तीसरा, आधुनिक रास्ता लेकर आ रहे हैं—'मनपसंद की शादी'। इसमें जीवनसाथी की तलाश में परिवार भी उतना ही शामिल है जितना आप; जहां माता-पिता की पसंद और जोड़े की पसंद एक समान स्तर पर मिलती है। जब दोनों 'हां' कहते हैं, तो परिवार भी साथ-साथ इस यात्रा पर चलता है। राजश्री प्रोडक्शंस (प्रा.) लिमिटेड द्वारा निर्मित इस शो में ईशा सूर्यवंशी आरोही और अक्षुण महाजन अभिषेक के किरदार में नजर आएंगे। प्रीमियर 11 अगस्त 2025 से, हर सोमवार से शुक्रवार रात 10 बजे, केवल कलर्स पर।

जियोस्टार के आलोक जैन ने कहा, "कलर्स में हम हमेशा बदलते समय का आईना पेश करते हैं और 'मनपसंद की शादी' के साथ हम विवाह की परिभाषा में परंपरा और आधुनिकता को जोड़ रहे हैं। भारत बदल रहा है, रिश्ते भी बदल रहे हैं, और यह शो उस बदलाव को ईमानदारी और दिल से पेश करता है। राजश्री प्रोडक्शन्स के साथ मिलकर हम दो दुनियाओं का सर्वश्रेष्ठ ला रहे हैं—उनकी कालजयी कहानी कहने की विरासत और दर्शकों की भावनाओं को समझने की हमारी क्षमता। अब हम शादी के संसार को विस्तार दे रहे हैं, एक ऐसे भावुक किस्से के साथ जो विवाह को परंपरा और आधुनिक पसंद के संगम के रूप में फिर से परिभाषित करेगा।"

राजश्री प्रोडक्शन्स (प्रा.) लि. के

निर्देशक सूरज बड़जात्या ने कहा, "कलर्स के साथ दोबारा जुड़ना, दो रचनात्मक ऊजाओं का मिलन है। तीन दशकों से अधिक समय से, राजश्री की कहानियों ने प्यार, परिवार और परंपरा की पवित्रता का जश्न मनाया है। 'मनपसंद की शादी' के साथ हम गर्व से उस विरासत को टेलीविजन पर ला रहे हैं, 'पसंद' की ताकत के साथ। आज की पीढ़ी मूल्यों को ठुकरा नहीं रही, बल्कि उन्हें सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स की दुनिया में नए दृष्टिकोण और आत्मनिर्णय के साथ जी रही है। यह शो उसी विकास को सलाम है। यह एक बिल्कुल नए तरह की शादी पेश करता है—जो पसंद, सम्मान और दृढ़ विश्वास से जन्म लेती है। इसमें दो लोग पहले एक-दूसरे को 'हां' कहते हैं और फिर अपने परिवारों को भी साथ में 'हां' कहते हैं। मैं चाहता हूं कि यह शो दर्शकों को विवाह को नए नजरिये से देखने का गर्मजोशी भरा निमंत्रण दे, जबकि उन्हें राजश्री-स्टाइल पारिवारिक मनोरंजन भी मिले।"

इंदौर में आधारित, 'मनपसंद की शादी' की कहानी है आरोही शिंदे की—एक होनहार इंजीनियर, जो एक साधारण, गौशाला चलाने वाले परिवार से है, जहां महिलाओं की राय सुनी और सराही जाती है। आत्मविश्वास के साथ वह अपने जीवनसाथी को अपनी शर्तों पर चुनने के लिए तैयार है। इसके विपरीत है अभिषेक देवान—एक मसाला साम्राज्य का लाड़ला वारिस, ऐसे घर में पला-बढ़ा जहां सिर्फ पुरुषों की आवाज मायने रखती है—और जिसे अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है। गुड़ी पड़वा पर घर लौटने पर, आरोही अपने परिवार द्वारा चुने पारंपरिक वर से प्रभावित नहीं होती, और जानती है कि वह 'वही' नहीं है। तभी उसकी मुलाकात अभिषेक से होती है—जो निस्वार्थ भाव से उसके प्यारे बछड़े को बचा लेता है। वह नायक बनने की कोशिश नहीं कर रहा, लेकिन उसकी सच्चाई अलग ही दिखती है। उसी पल, आरोही को उसमें कोई ऐसा नजर आता है जो उसके मूल्यों से मेल खाता है, सिर्फ चेकलिस्ट से नहीं। लेकिन क्या वह हिम्मत करेगी परिवार का विरोध करने की, रिश्ता ठुकराने की और 'मनपसंद लड़का' खोजने की राह पर चलने की?

आरोही शिंदे की भूमिका निभा रहीं ईशा सूर्यवंशी ने अपनी भूमिका पर कहा, "राजश्री फिल्मों में खुद को देखने के सपने के साथ बड़ी हुई हूं, तो यह डेब्यू मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैंने इस बैनर की नायिकाओं को आदर्श माना है और मुझे गर्व है कि मेरा किरदार आरोही इस आदर्श परंपरा को आगे बढ़ाता है। और फिर भी, कई भारतीय लड़कियों की तरह, वह 'लोग क्या कहेंगे' और 'दिल की सुनो' के बीच उस नाजुक संतुलन में रहती है। मुझे उम्मीद है कि उसे इस जटिल दुविधा से गुजरते देखना युवतियों को समझे जाने का अहसास देगा। 'मनपसंद की शादी' एक जरूरी बातचीत है—लव और अरेंज्ड मैरिज के बीच तीसरा विकल्प। आरोही चाहती है कि उसकी शादी में प्यार, परिवार, परंपरा और सबसे अहम—पसंद—चारों हों।"

अभिषेक दीवान की भूमिका निभाने के लिए तैयार अभिनेता अक्षुण महाजन ने कहा, "शो में मेरा किरदार, अभिषेक दीवान, अपनी ही कल्पनाओं की दुनिया में जीता है, जहां वह अपनी ही फिल्म का हीरो है और उसके आस-पास के लोग उसकी इस परीकथा जैसी दुनिया को और बढ़ावा देते हैं। उसके पास स्लो-मो एंट्रीज हैं, मनमोहक बैकग्राउंड म्यूज़िक है—कुल मिलाकर पूरी तरह 'राजश्री के प्रेम 2.0' वाला माहौल है। बेशक, कोई भी हमारे बचपन के प्यारे और असली 'प्रेम' के करीब नहीं पहुंच सकता। लेकिन यह सच है कि 'प्रेम' मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से प्रेरणा रहा है। मगर सबसे दिलचस्प बात यह है कि जब यह भ्रम टूटता है तो क्या होता है।

कानूनगो और लेखपाल के निलंबन से आक्रोशित लेखपालों ने किया आंदोलन आह्वान : अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप को छोड़ने और वीआईपी ड्यूटी नहीं करने का किया ऐलान

मथुरा (जीएनएस)। थाना जैंत क्षेत्र में चार दिन पहले सरकारी जमीन से कब्जा हटाने के दौरान एक बुजुर्ग द्वारा खुद को आग लगाने की घटना के मामले में तहसील सदर के कानूनगो और लेखपाल के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज होने और निलंबन की कार्रवाई से आक्रोशित जिला लेखपाल संघ ने मंगलवार को आम सभा की बैठक बुलाने का ऐलान करने के साथ अपने-अपने फोन से अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप को छोड़ने की बात कही है। इसे लेकर एक बैठक सोमवार को तहसील सभागार में लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल की अध्यक्षता में की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि संघ के अगले निर्णय तक मथुरा में कोई भी लेखपाल वीआईपी ड्यूटी नहीं करेगा। बताते चलें कि बीती 7 अगस्त को तहसील सदर के गांव राल के नगला खुशीपुरा में खांडसारी समिति की जमीन से अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व टीम की कार्यवाई के दौरान अवैध कब्जेदारों ने खुद को आग लगा ली थी। जिसमें कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने लेखपाल कपिल उपाध्याय और राजस्व निरीक्षक राजेंद्र राणा को निलम्बित कर दिया गया था। इसके बाद थाना जैंत में मुकदमा भी दर्ज कर दिया गया था। इस प्रकरण में सोमवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक तहसील सदर स्थित संगठन कार्यालय में हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि अब सभी लेखपाल अपनी-अपनी तहसीलों के व्हाट्सएप ग्रुपों का छोड़ेंगे और मंगलवार प्रातः 10 बजे तहसील सदर स्थित सभागार में आम सभा की बैठक में शामिल होंगे। बैठक का संचालन लेखपाल नितिन चतुर्वेदी द्वारा किया। बैठक में पवन कुमार जिला मंत्री, खंड मंत्री पवन कुमार, तहसील अध्यक्ष महावन पंकज कुमार, तहसील मंत्री महावन टेकचंद्र, तहसील अध्यक्ष छाता, भगवान सहाय अध्यक्ष गोवर्धन, कमलेश पाली मंत्री गोवर्धन और प्रमोद दीक्षित मीडिया प्रभारी आदि मौजूद रहे।

घर से निकले युवक का शव खीरे के खेत के बगल में मिला

-शनिवार शाम दोस्तों के साथ घर से निकला था युवक

- शराब पिलाने के बाद हत्या करने का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के भवनी का पुरवा मजरे रसूलपुर भंडरा गांव निवासी निकले किशोर का शव रविवार को बैरहना गांव के एक खीरे के खेत के बगल में पड़ा पाया गया। परिजनों ने हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कार्यवाही शुरू की है।

भवनी का पुरवा गांव निवासी राजू रैदास का पुत्र राज रैदास (17) है। परिजनों ने बताया कि राज को शनिवार शाम को उसके दोस्त घर से बुलाकर ले गए थे। मां अनीता देवी राखी बांधने मायका कौशांबी गई हुई थी। बताया जा रहा कि गांव में बज रहे डीजे में युवक नाच रहा था। रविवार को नित्यक्रिया के लिए सुबह जंगल की ओर गए ग्रामीणों ने युवक का शव देखा तो पुलिस को सूचित किया। उसके सिर में गंभीर चोट के निशान पाए गए। मृतक की मामी शव उठाने को लेकर हंगामा किया। पुलिस अधिकारियों के मनाने के बाद शव उठने दिया। परिजनों ने शराब पिलाकर हत्या करके शव फेंक देने का आरोप लगाया है। मृतक के छोटे भाई-बहन अर्जुन, शिवराज, रिया और रियांशी हैं। मौत के बाद उनका और माता-पिता का रोकर बुरा हाल रहा। पिता राजगीर के साथ शटरिंग का कार्य करते हैं। सीओ ब्रजमोहन राय ने बताया कि जांच चल रही है, जल्दी ही घटना का राजफास किया जाएगा, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

समान शिक्षा, समान अधिकार की गूंज के साथ बुंदेलखंड राज्य की मांग तेज

-एक राखी बुंदेलखंड के नाम' महाअभियान के 33वें दिन

(जीएनएस)।

फतेहपुर। बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के 'एक राखी बुंदेलखंड के नाम' महाअभियान के 33वें दिन सोमवार को खागा नगर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पांडेय 'बुंदेलखंडी' ने कहा, 'हमारे वोट से उनके बच्चे हवाई जहाज से विदेश में पढ़ते हैं, लेकिन हमारे बच्चे हवाई चप्पल को तरसते हैं। शिक्षा में यह असमानता स्वीकार्य नहीं है। हमें चाहिए — समान शिक्षा, समान अधिकार।' उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री को भेजी जा रही राखियों के साथ बुंदेलखंड की यह आवाज भी जाएगी कि 'राखी का असली उपहार — पृथक बुंदेलखंड राज्य' ही होगा। कार्यक्रम का संयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि स्नातक छात्र अभिनव त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और समान अवसर की लड़ाई है। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता छात्र उत्कर्ष त्रिवेदी ने कहा, 'जब तक हर बच्चे को समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक विकास का सपना अधूरा रहेगा। हमारी राखियाँ सिर्फ प्रतीक नहीं, बल्कि संघर्ष का संदेश हैं। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संध्या शुक्ला, रंजना, उमा त्रिपाठी, अभिनव त्रिपाठी सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में बच्चों और महिलाओं की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने राखी बांधकर और पोस्टकार्ड लिखकर प्रधानमंत्री से बुंदेलखंड राज्य की मांग दोहराई। गौरतलब है कि बुंदेलखंड राष्ट्र समिति का यह महाअभियान पूरे बुंदेलखंड में एक साथ चल रहा है और अब तक लाखों राखियाँ प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी जा चुकी हैं।

भारत की आत्मा है संस्कृत भाषा : संस्कृत भाषा में विश्व की अनेक भाषाएं हैं समाहित

-संस्कृत भाषा को उत्तर प्रदेश में प्रथम भाषा घोषित करने की मांग

मथुरा (जीएनएस)। श्रावण पूर्णिमा विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती मथुरा जनपद द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह के अन्तर्गत श्री दीर्घ विष्णु मन्दिर सेवा संस्थान एवं संस्कृत भारती मथुरा जनपद के संयुक्त तत्वावधान में तीर्थक्षेत्र मथुरा पुरी स्थित प्राचीन श्री दीर्घ विष्णु मन्दिर में वेद पूजन एवं विद्वत गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम भगवान श्री दीर्घ विष्णु जी एवं मां सरस्वती जी के सम्मुख अतिथियों द्वारा वेद ध्वनि के साथ दीप प्रज्वलित किया गया। ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुर्वेदी के नेतृत्व में वैदिक विद्वानों द्वारा स्वस्तिवाचन व वैदिक और पौराणिक मंगलाचरण से गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गीताव्रती श्री कैलाश अग्रवाल ने श्रीमद्भगवद्गीता के बारहवें अध्याय का सस्वर पाठ दोहराया और श्रीमद्भगवद्गीता के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत न्यास अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत का प्राचीन चिंतन, विचार, संस्कृति एवं जीवन संस्कृत के ही माध्यम से विकसित हुआ है। वहीं संस्कृत भारती विभाग संयोजक श्यामसुंदर शर्मा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक एवं ज्ञान विज्ञान की भाषा के रुप में सामाजिक उन्नति एवं समरसता की सशक्त माध्यम संस्कृत भाषा है। वर्तमान में युवा पीढ़ी को संस्कृत भाषा के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए श्री दीर्घ विष्णु मन्दिर के सेवायत महंत कांतानाथ चतुर्वेदी ने कहा कि संस्कृत भारत की आत्मा है, भारतीय संस्कृति सभ्यता और संस्कारों की मूल आधार संस्कृत भाषा है। कहा कि वर्तमान में संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन, के लिए संस्कृत भाषा को उत्तर प्रदेश में प्रथम भाषा के रूप में घोषित किया जाना चाहिए। गोष्ठी का संचालन करते हुए संस्कृत भारती मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि अपने अंदर असीम ज्ञान विज्ञान को समेटने वाली संस्कृत भाषा में विश्व की अनेक भाषाएं समाहित हैं। वर्तमान में विश्व के अनेक देशों में संस्कृत भाषा को ज्ञान व विज्ञान की भाषा के रुप में स्वीकार किया जा रहा है। गोष्ठी में योगेश उपाध्याय आवा एवं प्रचार प्रमुख रामदास चतुर्वेदी शास्त्री ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत के माध्यम से भारत की सामाजिक समरसता एवं सर्वतोमुखी प्रगति ही संस्कृत भाषा का परम लक्ष्य है। इस अवसर पर गंगाधर अरोड़ा, हरस्वरुप यादव श्री दीर्घ विष्णु मंदिर सेवायत, बालकृष्ण चतुर्वेदी, लालकृष्ण चतुर्वेदी, संस्कृत भारती के अखिलेश गौतम, रामराज्य परिषद के देवेंद्रनाथ चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद के शैलेन्द्र नाथ चतुर्वेदी, अनुज चतुर्वेदी, श्री मंदिर के निरंजन गोस्वामी, अमित कृष्ण आचार्य, सागर बंसल, संजय सेवादार, सोनू सेवादार और देव सेवादार आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्कृत को सर्वश्रेष्ठ भाषा बताया। वक्ताओं ने संस्कृत भाषा को जनसाधारण की भाषा बनाने के लिए संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया। गोष्ठी का शुभारंभ ध्येय मंत्र से किया गया और समापन कल्याण मंत्र से किया गया। गोष्ठी के अंत में घर-घर तुलसी घर-घर गीता अभियान के अन्तर्गत अतिथियों को श्रीमद्भगवद्गीता और तुलसी का पौधा भेंट करके सम्मानित किया गया।

बढ़ापुर में गुलाह नदी में कार बही, युवक पेड़ की शाखा पकड़कर बचा, कार 8 घंटे बाद निकाली गई

(जीएनएस)। / शारिक जैदी

बिजनौर।

बिजनौर जिले के कस्बा बढ़ापुर में सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक कार सवार युवक गुलाह नदी की तेज धारा में बह गया। युवक ने सूझबूझ दिखाते हुए पेड़ की शाखा पकड़कर अपनी जान बचा ली, जबकि कार को निकालने में आठ घंटे की मशक्कत करनी पड़ी।

थाना नहटौर के ग्राम कश्मीरी राधोपुर निवासी अभय कुमार पुत्र अशोक कुमार रविवार शाम अपनी बैगनआर कार से बाबा कलवा वीर मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे थे और रात में मंदिर परिसर में ही ठहरे। सुबह करीब चार बजे वह घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार गुलाह नदी के रपटे पर पहुंची, अचानक जलस्तर बढ़ गया और तेज बहाव में कार बहने लगी।

चालक कार का शीशा तोड़कर बाहर निकला। कुछ दूरी बहने के बाद अभय ने नदी किनारे पेड़ की शाखा पकड़ ली और कार से बाहर निकल आए। वहीं, कार तेज बहाव में बहकर दूर चली गई। युवक ने पास के मोहल्ला पक्काबाग के लोगों को घटना की जानकारी दी। सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और पुलिस भी पहुंच गई।

लगभग 600 मीटर दूर कार पानी में डूबी हुई मिली। पुलिस और ग्रामीणों ने ट्रैक्टर व जेसीबी की मदद से करीब आठ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार को बाहर निकाला। घटना की सूचना पाकर अभय के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। सौभाग्य से युवक को कोई चोट नहीं आई, लेकिन नदी का तेज बहाव देख लोग सहम गए।